।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan Ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2081 माघ शुक्ल द्वितीया, 1-15 फरवरी 2025 (1-15 February 2025), • वर्ष 4 (Year-4), • अंक 18 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु.2 (Price 2/-)

धूम्रपान की आदत कर देगी आपके जीवन को बर्बाद, हो सकती हैं ये गंभीर बीमारी

नई दिल्ली : धूम्रपान सेहत के लिए कितना खतरनाक है, ये शायद हम सभी जानते हैं, लेकिन इसके असर कहीं ज्यादा गंभीर हैं, जितना हम सोचते हैं। एक सिगरेट कई जानलेवा बीमारियों की शुरु आत बन सकती है। जानिए कैसे धूम्रपान आपको धीरे-धीरे आपकी चीड़ी को अंदर से खत्म कर रहा है।

कैंसर का खतरा बढ़ता है– धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। साथ ही मुंह, गला, मूत्राशय, पेट, किडनी, आंखरी और ल्यूकेमिया जैसे कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। करीब 80 प्रतिशत फेफड़ों के कैंसर और मौतें धूम्रपान से जुड़ी होती हैं।

दिल की बीमारियां– सिगरेट का धुआं धमनियों में प्लाक जमा करता है, जिससे हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हार्ट फेलियर का खतरा बढ़ता है। ब्लड क्लॉट, एंजाइना और परिधीय धमनी रोग जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

फेफड़ों की तबाही– धूम्रपान से सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज), क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस, अस्थमा और फेफड़ों में जख्म

(फाइब्रोसिस) जैसे रोग होते हैं।

डायबिटीज का खतरा– स्मोकिंग से टाइप 2 डायबिटीज होने की संभावना बढ़ जाती है। यह गुर्दे की बीमारी, पैरों में रक्त प्रवाह की कमी और नर्व डैमेज का कारण बन सकता है।

कमजोर इम्युनिटी और संक्रमण– धूम्रपान आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) को कमजोर कर देता है, जिससे निमोनिया, ब्रोंकाइटिस और टीबी जैसी बीमारियों की चपेट में आने की संभावना बढ़ जाती है।

रुमेटीइड गठिया और ऑटोइम्यून रोग– सिगरेट पीने से रुमेटीइड आर्थराइटिस और अन्य ऑटोइम्यून रोगों का खतरा भी बढ़ता है।

दृष्टि और सुनने की क्षमता– धूम्रपान से मोतियाबिंद और सुनने की शक्ति में कमी भी हो सकती है।

प्रजनन क्षमता पर असर– धूम्रपान से महिलाओं और पुरु षों दोनों में फर्टिलिटी कम हो सकती है। गर्भावस्था में इससे कम वजन का बच्चा और समय से पहले डिलीवरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

दांतों की बर्बादी– मसूड़ों की बीमारी, सांसों की बदबू और दांत गिरना। ये सब भी स्मोकिंग का नतीजा हो सकते हैं। स्मोकिंग दांतों एवं मसूड़ों के लिए ठीक नहीं है।

दवाएं प्रभावी बनाने को हो पर्यावरणीय कारकों की पहचान

आपको यह सुनकर जरूर आश्चर्य होगा कि हमारे पर्यावरण में मौजूद रसायन दवाओं के असर में हस्तक्षेप करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन रसायनों की पहचान करने से दवाइयों को बेहतर तरीके से काम करने में मदद मिल सकती है। आपके जीन आपकी उंचाई, बालों और आंखों के रंग और त्वचा की रंगत को निर्धारित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं, लेकिन ये आपकी पूरी कहानी नहीं बताते हैं। आपके व्यक्तित्व, आपकी पसंद और नापसंद और आपके स्वास्थ्य को आकार देने में आपका पर्यावरण अविच्छनीय रूप से महत्वपूर्ण है। वास्तव में, आपके उपर आपके आहार, सामाजिक संपर्क, प्रदूषण से संपर्क, शारीरिक गतिविधि और और शिक्षा के प्रभाव अक्सर आनुवंशिकी के प्रभावों और अन्य विशेषताओं से अधिक होते हैं जो आपको परिभाषित करती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि हम पता लगा लें कि आपके जीन और पर्यावरण अस्थमा, हृदय रोग, कैंसर, डिमेंशिया और अन्य दशाओं के विकास की संभावना को कैसे बढ़ाते हैं, तो चिकित्सा के तौर-तरीकों में एक बड़ा बदलाव आ सकता है। जीनोमिक्स विज्ञान का एक तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है। यह जीव विज्ञान की एक शाखा है जो जीनोम के अध्ययन से संबंधित है। जीनोम एक जीव के डीएनए का पूरा सेट होता है, जिसमें उसके सभी जीन और अन्य डीएनए सीक्वेंस शामिल होते हैं। जीनोमिक्स में जीनोम की संरचना, कार्य और विकास का अध्ययन किया जाता है। इसमें जीनों की पहचान, उनके कार्यों का विश्लेषण और जीनोमिक डेटा के विश्लेषण के लिए कंप्यूटर तकनीकों का उपयोग शामिल है। जीनोमिक्स का उपयोग करके नई दवाओं और उपचारों का विकास किया जा सकता है। जीनोमिक्स का उपयोग करके फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। पारिस्थितिकी जीनोमिक्स का उपयोग करके पारिस्थितिक तंत्र की समझ में सुधार किया जा सकता है। जीनोमिक्स के क्षेत्र ने बीमारी के जोखिम से जुड़ी आनुवंशिक विविधताओं की एक विस्तृत शृंखला के लिए अस्पताल और घर दोनों में परीक्षण करना अपेक्षाकृत सरल बना दिया है। हाल के वर्षों में, विज्ञान कई बीमारियों के जोखिम को बढ़ाने वाले पर्यावरणीय अपराधियों को ट्रैक करने और आपके व्यक्तिगत पर्यावरणीय जोखिमों के आधार पर उपचारों को अनुकूलित करने के तरीकों की पहचान करने में प्रगति कर रहा है। जीनोमिक्स के साथ ही एक्सपोसोमिक्स भी एक उभरता हुआ विज्ञान है जो आपके जीव विज्ञान को प्रभावित करने वाले सभी भौतिक, रासायनिक, जैविक और सामाजिक कारकों का अध्ययन करता है।

एक्सपोसोम दरअसल एक अवधारणा है जिसमें आपके सभी पर्यावरणीय जोखिम शामिल होते हैं। जैसे शोधकर्ता जीनोमिक्स का अध्ययन करने के लिए डीएनए सीक्वेंसर का उपयोग करते हैं, वैसे ही एक्सपोसोमिक्स में वैज्ञानिक स्वास्थ्य पर हजारों पर्यावरणीय कारकों के प्रभावों को मापने के लिए रसायन विज्ञान और उच्च तकनीक वाले सेंसर का उपयोग करते हैं। हम जानते हैं कि दवाएं हमेशा काम नहीं करतीं। कई लोगों के लिए, कुछ दशाओं के इलाज के लिए मानक दवा उपचार बस काम नहीं करते हैं। रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए अक्सर महीनों के परीक्षण को आवश्यकता होती है। इसी तरह डिप्रेशन के लिए उपयुक्त उपचार योजना की पहचान करने में महीनो या वर्षो तक का समय लग सकता है। सिर्फ अमेरिका में दवाओं के कारण होने वाले प्रतिकूल परिणामों के कारण हर साल दस लाख से अधिक लोगों को अस्पतालों के आपातकालीन विभागों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। रोगियों के बीच दवा के प्रभावों में ये अंतर किस वजह से होता है? क्या यह उनके जीन हैं? क्या वे साइड इफेक्ट के कारण अपनी दवाएं निर्धारित अनुसार नहीं ले रहे हैं? या इन सब के पीछे कुछ और है?

अध्ययनों से पता चलता है, कि आपके पर्यावरण का इस बात पर बहुत प्रभाव हो सकता है कि विशिष्ट उपचार आपके लिए कितने कारगर हैं। उदाहरण के लिए, किसी विशिष्ट दवा को लेते समय ग्रेप फ रूट (चकोतरा) का रस न पीने की सलाह देने वाले चेतावनी लेबल के बारे में सोचें। ऐसा इसलिए है क्योंकि ग्रेपफ रूट में मौजूद एक प्राकृतिक रसायन उन एंजाइमों को रोकता है जो उन दवाओं को विखंडित करते हैं। उच्च कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ सामान्य स्टैटिन विषाक्त स्तर तक बढ़ सकते हैं क्योंकि ग्रेपफ्रूट के रस में मौजूद रसायन इसकी सामान्य प्रोसेसिंग को अवरु द्ध कर देते हैं। ग्रेपफ रू ट ही एकमात्र पर्यावरणीय कारक नहीं है जो आपकी दवाओं के प्रति आपकी प्रतिक्रिया को प्रभावित करता है। उदाहरण के तौर पर अमेरिका में 8,600 से अधिक रसायनों का उपयोग किया जाता है, लोग प्रतिदिन इनमें से हजारो रसायनों के संपर्क में आते हैं। इस बात की अधिक संभावना है कि इनमें से कई रसायन आपके द्वारा ली जाने वाली दवाओं के साथ परस्पर क्रिया कर सकते हैं। पिस्सू और टिक्स को पालतू जानवरों से दूर रखने के लिए हम जिन रसायनों का इस्तेमाल करते हैं, वे वास्तव में ग्रेपफ्रुट के रस द्वारा अवरुद्ध एंजाइम के स्तर को बढ़ा सकते हैं।

गार्मेंट व्यवसायी का अपहरण कर 10 लाख रुपये फिरौती की मांग

हावड़ा : व्यवसायिक सौदे से राजस्थान के कोटा से हावड़ा पहुंचे एक गार्मेंट व्यवसायी का अपहरण कर 10 लाख रुपये फिरौती मांगने का मामला सामने आया है. इस मामले में पुलिस ने तीन अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के नाम मृत्युंजय झा ऊर्फ सत्यम, जौतेंद्र साव और अभिषेक शर्मा हैं. इन आरोपियों को पुलिस छह दिनों के रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है. बताया जा रहा है कि मृत्युंजय झा के कहने पर ही पीड़ित व्यवसायी हावड़ा पहुंचा था. यह जानकारी सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में डीसी बिशप सरकार ने दी. जानकारी के अनुसार, 13 फरवरी को लेडीज गार्मेंट व्यवसायी सचिन वैष्णव राजस्थान के जयपुर से हवाई यात्रा कर कलकत्ता एयरपोर्ट पहुंचा. मृत्युंजय ने उसके ठहरने के लिए हुगली के डानकुनी स्थित एक होटल में कमरा पहले से बुक किया था. सचिन एयरपोर्ट से सीधे होटल पहुंच गया. यहां मृत्युंजय के साथ उसकी मुलाकात हुई. 14 फरवरी सचिन को जयपुर लौटना था, लेकिन इसके पहले ही मृत्युंजय ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसका अपहरण कर लिया. ये तीनों सचिन को लेकर होटल से बाली के निश्चिंदा थाना अंतर्गत रामचंद्रपुर इलाके में समीर सोनकर के घर पहुंचे. मुख्य आरोपी मृत्युंजय ने पीड़ित के जयपुर के रहने वाले बिजनेस पार्टनर अजीत सिंह को व्हाट्सअप कॉल करके 10 लाख रुपये फिरौती देने की मांग की. अपहरणकर्ताओं ने पीड़ित के ही फोन से बिजनेस पार्टनर को फोन किया था. डीसी ने बताया कि इसी बीच पीड़ित ने अपना लाइव लोकेशन फूलबागान के रहने वाले अपने एक परिचित मानस भट्टाचार्य को भेज दिया. मानस ने यह लाइव लोकेशन निश्चिंदा थाने के प्रभारी को भेजा. पुलिस हरकत में आयी और लाइव लोकेशन और मोबाइल टॉवर का पता लगाकर अपहृत व्यवसायी को अपने हिफाजत में लेते हुए मौके से ही तीन अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया. डीसी ने बताया कि जिस घर में पीड़ित को बंधक बनाकर रखा गया था, वह फरार है. पुलिस उसे तलाश रही है।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की हावड़ा शाखा से जिलाधिकारी ने लाखों की चोरी की

हावड़ा : इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की हावड़ा शाखा से जिलाधिकारी ने लाखो रुपये की चोरी की है. ऐसी सनसनीखेज शिकायत उस शाखा के वर्तमान सचिव की है. इस संबंध में दो बैंकों के प्रबंधकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करायी गयी है.हालांकि, जिलाधिकारी ने कहा कि अस्पताल कर्मचारियों का वेतन भुगतान बैंक से निकाले गए पैसे से किया गया था. इस संबंध में कोई अनियमितता नहीं बरती गई। हावड़ा मैदान में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी का अस्पताल है. इस अस्पताल में बच्चों के इलाज के अलावा वयस्कों का भी इलाज किया जाता है। कोविड के दौरान भी उस अस्पताल में नियमित रूप से टीके दिये जाते थे. उस संगठन के नियमों के अनुसार राज्य का अध्यक्ष राज्यपाल होता है और जिले का अध्यक्ष जिला मजिस्ट्रेट होता है। लेकिन वर्तमान सचिव सुजॉय पालित का दावा है कि पिछले साल के मध्य में राज्यपाल की अनुमति से हावड़ा जिला रेड क्रॉस सोसाइटी की नई कमेटी बनाई गई थी. उन्होंने सीधे तौर पर जिलाधिकारी दीपाप्रिया पी. से दो बैंकों से लाखो रु पये हड़पने की शिकायत की.बैंक के बयान के मुताबिक, पिछले दिसंबर और जनवरी के दौरान चरणों में कुल 2 लाख 70 हजार रु पये निकाले गए। उन्होंने यह भी कहा कि नियमानुसार पैसा निकालते समय सचिव, कोषाध्यक्ष और उपाध्यक्ष में से किसी एक का हस्ताक्षर जरूरी होता है.लेकिन जिलाधिकारी ने बिना किसी को सूचना दिये अज्ञात व्यक्ति के नाम पर पैसा निकाल लिया. इस संबंध में उन्होंने जिलाधिकारी व बैंक प्रबंधक की मिलीभगत की शिकायत की. साथ ही उन्होंने कहा कि उन्होंने इस संबंध में कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। इस बीच जिलाधिकारी ने आफ कैमरा अपने उपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया है.उन्होंने कहा कि नई कमेटी नहीं बल्कि पुरानी कमेटी ही काम कर रही है. एकत्रित धन का उपयोग अस्पताल के कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने के लिए किया जाता है। पूरा मामला कलकत्ता हाई कोर्ट में लंबित है. कोर्ट के आदेश के अनुसार कार्य किया जाएगा।

इस बीच, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष संजय सिंह ने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद तृणमूल ने सब कुछ चुरा लिया है। और अब जो लोग प्रशासन में हैं, उन्होंने भी जनता का पैसा चुराना शुरू कर दिया है.मैं इस मामले में जांच की मांग करता हूं। राज्य के खाद्य प्रसंस्करण विभाग के मंत्री अरूप रॉय ने कहा कि जिले में उस संस्था का अध्यक्ष जिलाधिकारी होता है। वर्तमान में जिन लोगों ने कमेटी बनायी है, उन्होंने गलत तरीके से काम किया है. उन्हें समिति बनाने का कोई अधिकार नहीं है. यहां अंतिम शब्द जिला मजिस्ट्रेट का होता है।

डीएमसी के सौ साल पूरे होने पर आयोजन को लेकर प्रेसवार्ता

दरभंगा ब्यूरो : दरभंगा मेडिकल कॉलेज के लेक्चर थिएटर में एक प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इसमें प्राचार्य डॉक्टर अलका झा, आयोजन सचिव डॉ. सुशील कुमार, अलुमनी असोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. भरत प्रसाद, सचिव डॉ. रमण कुमार वर्मा, विभिन्न समितियों की चेयरपर्सन डॉक्टर एसके झा, डॉक्टर हरि दामोदर सिंह, डॉ. संजय कुमार झा, डॉ. रिजवान हैदर, डॉक्टर पूनम कुमारी, संपादक डॉ. ओम प्रकाश, सह-संपादक डॉ. श्याम किशोर ठाकुर शामिल हुए। डॉ. अलका झा ने विस्तार से पूरे कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया दरभंगा मेडिकल कॉलेज भारत के प्राचीनतम मेडिकल कॉलेजों में से एक है। यह पूरे मिथिला, उत्तर बिहार, सीमावर्ती यूपी और पश्चिम बंगाल के कई क्षेत्रों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां के चिकित्सकों ने भारत और विश्व में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए ख्याति प्राप्त की है। इस वर्ष कॉलेज अपना 100वां स्थापना दिवस मना रहा है, जो छात्रों, शिक्षकों और पूर्ववर्ती विद्यार्थियों के लिए हर्ष और उल्लास का अवसर है। आयोजन सचिव डॉ. सुशील कुमार ने कहा कोरोना महामारी के दौरान झेले गए मानसिक और शारीरिक कुप्रभाव और डीएमसी कैंपस में ही एम्स स्थापना में इस संस्थान की अधिकांश भूमि के अधिग्रहण के भय समाप्त होने के बाद संस्थान की गतिविधियां अब पुनः पूरे उत्साह के साथ संचालित हो रही हैं। इसी क्रम में दरभंगा मेडिकल कॉलेज का शताब्दी समारोह एवं ग्लोबल मिलन समारोह और भी भव्य तरीके से मनाया जा रहा है। मुख्य कार्यक्रम के दस दिन पूर्व से ही कैंपस में साहित्य, कला एवं खेलकूद के कार्यक्रम जारी हैं। डॉ. हरि दामोदर सिंह ने बताया कि इस वर्ष की खेलकूद सम्बंधी गतिविधियाँ स्पर्धा 2025 के नाम से आयोजित की गई। इस ऐतिहासिक आयोजन के तहत छात्रों के लिए विभिन्न इनडोर और आउटडोर गेम्स व स्पोर्ट्स गतिविधियां आयोजित की गई। लड़कों के लिए फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल और क्रिकेट प्रतियोगिताएं, जबकि लड़कियों के लिए कैरम बोर्ड, रंगोली, मेंहदी प्रतियोगिता और कुर्किंग प्रतियोगिता जैसी रचनात्मक गतिविधियां रखी गई। डॉ. श्याम किशोर ठाकुर ने कहा दरभंगा मेडिकल कॉलेज लिटरेरी सोसाइटी के तत्वावधान में विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें क्विज, डिबेट, पेंटिंग, फोटोग्राफी और नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियां शामिल रहेंगी। डॉ. एच के झा ने बताया 22 फरवरी 2025 को शाम 3 बजे ऑडिटोरियम में सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित होगा। इस अवसर पर 31 जनवरी 2025 तक सेवानिवृत्त हो चुके दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के चिकित्सकों को सम्मानित किया जाएगा, साथ ही ऊषहार, प्रशस्तिपत्र और मोमेंटो भी प्रदान किए जाएंगे। इसी कड़ी में डॉ. आसिफ शाहनवाज ने अपन अपनी तैयारी के बारे में बताया कि कॉलेज के विभिन्न गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले छात्रों को शिक्षकों या अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्थापित गोल्ड मेडल दिए जाते हैं जो छात्रों मनोबल को बढ़ाते हैं। इस अवसर परजिन्होंने गोल्ड मेडल स्पॉन्सर किया ऊनके भी प्रतिनिधि को ऊपस्थित रहते हैं। डॉ. सुशील कुमार ने कहा कि 22 फरवरी के कार्यक्रमों का समापन शाम 6 बजे से भव्य सांस्कृतिक संध्या रूप में होगा। पिछले 10 दिनों से जारी रिहर्सल की प्रस्तुति होगी। इसे डॉ. शीला कुमारी, डॉ. एस.के. कर्ण, डॉ. गोरी शंकर झा, डा खुर्शीद दुर्रानी और डॉ. रमन कुमार बर्मा के निर्देशन में तैयार किया गया है। डॉ. पूनम कुमारी और डॉ. पी के लाल ने वैज्ञानिक सत्र की जानकारी दी। 12:00 बजे ऑडिटोरियम में वैज्ञानिक सत्र आयोजित होगा, जिसमें भारत के प्रतिष्ठित मेडिकल शिक्षाविदों एवं विशेषज्ञों के साथ डीएमसी एलुमनाई डॉक्टर्स अपने अनुभव साझा करेंगे। इस सत्र में राष्ट्रीय सतर के प्रमुख विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे।

रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन

हावड़ा : नई दिल्ली स्टेशन पर 18 यात्रियों की मौत के विरोध में प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया. सोमवार दोपहर कांग्रेस कार्यकर्ता हावड़ा स्टेशन के ओल्ड कॉम्प्लेक्स स्थित स्टेशन मास्टर के घर के सामने तख्तियां, झंडे और झंडे लिए हुए थे। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की. कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि हजारों यात्रियों ने मोटी रकम लेकर टिकट खरीदे हैं.लेकिन रेलवे की सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं था. जिसके परिणामस्वरूप यह हादसा हुआ. रेल मंत्री अब रेल मंत्री बन गये हैं. दुर्घटना होने पर ही ट्वीट करना यात्री सुरक्षा कहाँ है? सरकार केवल वीआईपी लोगों के लिए ही सुरक्षा की व्यवस्था क्यों कर रही है? इसके विरोध में विरोध प्रदर्शन किये गये. उन्होंने तत्काल मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की.

बाउड़िया जूट मिल के श्रमिक की हुई अस्वाभाविक मौत

हावड़ा : बाउड़िया जूट मिल के श्रमिक साबेद (53) मल्लिक की अस्वाभाविक मौत होने की खबर है. पुलिस शव को पोस्टमार्टम में भेजकर जांच में जुटी है. जानकारी के अनुसार, साबेद एसिडिटी और गैस की बीमारी से ग्रसित था. रविवार को मिल में काम करने के दौरान उसके एक साथी ने इस बीमारी को ठीक करने के लिए मल द्वार से मशीन के जरिये हवा देने की नसीहत दी. बताया जा रहा है कि वह राजी हो गया. मशीन से मल द्वार में हवा देने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गयी. उसे उलबेड़िया ईएसआइ अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे मानिकतला ईएसआइ अस्पताल रेफर किया गया, जहां रविवार रात 11 बजे उसकी मौत हो गयी. डॉक्टरों ने बताया कि हवा के दबाव के कारण पेट के अंदर कई अंग फट गये थे और इसी कारण से उसकी मौत हो गयी. पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

विविधता में अनेकता ही हमारी संस्कृति है : इंद्रेश कुमार

दरभंगा : लहेरियासराय स्थित प्रेक्षागृह मे राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के तत्वाधान में विकसित भारत- दिव्य भारत संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर माल्या अर्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के पूर्व डीजीपी संजय कुमार झा ने किया। कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सह संरक्षक राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच श्री इंद्रेश कुमार ने कहा की राष्ट्रीय सुरक्षा विषयों पर चर्चा और राष्ट्र के लिए हितकारी निर्णय को निकालने का काम राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच विगत साठ आठ सालों से कर रहा है। यह निर्णय सरकार और सिस्टम के लिए लाभदायक है। आगे के 25 सालों में हम कैसे चले इसके लिए 75 वें वर्ष में एक भारत श्रेष्ठ भारत आत्म निर्भर भारत की बात कर रहे हैं। अपने वक्तव्य में उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के आलेख का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि भारत मर गया तो विश्व मर जाएगा। ये बात अभी दो साल पहले कोरोना काल में प्रासंगिक हो गई जब बाकी के देश दवाओं के नाम पर बिजनेस की बात कर रहे थे तब विश्व के तीन चौथाई देशों को भारत ने निशुल्क दवाएं भेज रहा था। उन्होंने कहा की विविधता में अनेकता ही हमारी संस्कृति है।

अनेकता जाति,पंत, मजहबों पर आधारित है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के राष्ट्रीय महामंत्री गोलोक बिहारी राय ने कहा कि जब भ्रष्टाचार मुक्त समाज होगा तभी देश आगे बढ़ेगा इसलिए हमारे यहां नाना प्रकार की पूजा पद्धति है। भारत की एक मिसाल यह है कि दुनिया में मुसलमानों के 72 फिरके हैं वे सभी हिन्दुस्तान में रहते हैं। हमें श्रेष्ठ भारत पर फक्र होना चाहिए। हमारी जड़ें एक हैं एवं हमारा डीएनए एक है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक संजय कुमार झा ने कहा कि हम भारतीय/भारतीय मूल राष्ट्र के हैं, जिसका एक उदाहरण ऋषि सुनक हैं, जो हमारी भारतीय जड़ों की गवाही है। वे इस बात का उदाहरण हैं कि हमारे वंश और परंपराएं जो हमारे पूर्वजों से ली गई हैं, वे कभी मिटती नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि दुनिया के सभी धार्मिक ग्रंथ हमें दयालु होने का निर्देश देते हैं। कार्यक्रम को लंगट सिंह महाविद्यालय मुजफ्फरपुर के प्राचार्ज ओमप्रकाश राय जी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संपर्क प्रमुख सूरज चौधरी एवं धन्यवाद ज्ञापन मुकुंद चौधरी ने किया।

कार्यक्रम का समापन जन गण मन अधिनायक जय हे गीत के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ग्राम विकास प्रमुख दिलीप कुमार झा,विभाग प्रचारक रवि शंकर कुमार, विभाग कार्यवाह सनोज नायक, भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य नारायण चौधरी मन्ना, विनय पासवान, डॉ. मृदुल शुक्ला,पिंटू भंडारी ,दधीचि कुमार, बालेन्दु झा,गोपाल झा,ओम प्रकाश सिंह, आशुतोष कुमार,गोपाल झा,रिश्ते कुमार, शश्वत चौधरी, प्रिंस चौधरी , मुरारी कुमार, मृत्युंजय कुमार, रितिक कुमार, गुलशन चौधरी, पंकज झा, रवि प्रकाश झा,म्रुकेश महासेठ, गजेन्द्र मंडल,पुर्षोतम कुमार,मनोहर मिश्र, प्रभाकर सिंह,कुंदन मिश्रा, सुरज मिश्रा सहित अनेको लोग उपस्थित थे।

मर्पण ट्रस्ट द्वारा व्रत एवं त्योहार पंचांग का लोकार्पण

कोलकाता : समर्पण ट्रस्ट, जो शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में अपनी स्थायी प्रतिबद्धता के लिए विख्यात है, ने हाल ही में महानगर में एक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस विशेष अवसर पर व्रत एवं त्योहार विषयक पंचांग का लोकार्पण किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि, वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय ने उद्घाटन भाषण में कहा कि 'सनातन धर्म का आधार वेद और महापुराण हैं। ज्योतिष वेद की आंखें हैं। इनके माध्यम से काल गणना करके व्रत और त्योहार का निर्धारण किया जाता है।' उन्होंने आगे बताया कि इस पत्रिका के माध्यम से सनातन देव संस्कृति के अनुयायी हिंदुओं तक व्रत, त्योहार, नक्षत्र, पंचक, गंड मूल आदि की महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाना है। डॉ. पाण्डेय ने यह भी कहा कि 'इस पंचांग की निरंतरता से लोगों का विश्वास बढ़ रहा है, और देश-विदेश में इसकी मांग बनी रहती है।' डॉ. पाण्डेय ने पंचांग के प्रकाशन की निरन्तरता बनाए रखने के लिए समर्पण ट्रस्ट के समस्त पदाधिकारियों, सहयोगियों को साधुवाद दिया। पत्रिका के संपादक डॉ. पाण्डेय ने यह भी उल्लेख किया कि तीन दशकों से लगातार पंचांग का प्रकाशन किया जा रहा है, जो इसकी लोकप्रियता का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा, 'सनातनी जागृत हों, अपनी समृद्ध विरासत को जानें, पहचानें और अनुपालन करें, यही इस व्रत और त्योहार पंचांग का उद्देश्य है'।

लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार विश्वम्भर नेवर ने इस मौके पर पंचांग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि 'पंचांग में नक्षत्रों और ग्रहों के प्रभाव का उल्लेख होता है, जो हमारे जीवन में शुभ और अशुभ समय के निर्धारण में सहायक होते हैं। इसके आधार पर व्रत, पूजा और अनुष्ठान किए जाते हैं, ताकि ग्रहों का प्रभाव सकारात्मक हो और जीवन में सुख-शांति बनी रहे।'

ट्रस्ट के अध्यक्ष ने कहा समर्पण ट्रस्ट का यह परम पुनीत कार्य सनातन धर्म के प्रचार और हिंदू परंपराओं के संरक्षण में एक महत्वपूर्ण योगदान है। यह पंचांग, जो व्रत, त्योहार और अनुष्ठानों के सही समय निर्धारण में मदद करता है, लोगों को धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रदीप ढेडिया ने इस अवसर पर कहा, समर्पण ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित व्रत एवं त्योहार पंचांग का यह ग्यारवां अंक है। हम 'धर्मो रक्षति रक्षित की भावना से ओतप्रोत हैं, और सनातन देव संस्कृति के प्रसार के उद्देश्य से इस पत्रिका को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए समर्पित हैं।

लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता ने दिव्यांग बच्चों में बांटी खुशियां

कोलकाता : लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता डिस्ट्रिक्ट 322बी1 ने राउंड टेबल इंडिया सीएमआरटी 113 व लेडीज सर्किल इंडिया 132 के सहयोग से रविवार को कसबा स्थित गीतांजलि स्टेडियम ग्राउंड में आशाएं रोशनी उम्मीदों के नाम से दिव्यांग बच्चों के लिए पैरालिंपिक खेल का आयोजन किया। इसमें 35 स्कूलों के 700 से भी अधिक बच्चों ने भागीदारी कर जहां खेल व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों आंदन उठाया वहीं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर उपस्थित बतौर मुख्य अतिथि राज्य के कारा विभाग के प्रधान सचिव आईपीएस अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने इस खेल समारोह का उद्घाटन किया। इस साल खेल समारोह का 11वां संस्करण था। लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता डिस्ट्रिक्ट 322बी1 के 'आशाएं' के चेयरमैन लायन प्रशांत जयसवाल ने कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह प्रयास दिव्यांग छात्र-छात्राओं में खुशियां बांटने और उन्हें उत्साहित करने के उद्देश्य से होता आ रहा है। कलकत्ता डिस्ट्रिक्ट 322बी1 के अध्यक्ष लायन रमेश कुमार चोखानी ने बताया कि समारोह में उक्त नन्हे फरिश्तों के लिए कई मजेदार और आकर्षक गतिविधियां आयोजित हुई। इन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान देख क्लब के हर सदस्य को प्रसन्नता हुई। सभी प्रतिभागी बच्चों को उपहार भेंट किए गए। दीपक अग्रवाल इस कार्यक्रम का सफल संचालन किया। सभी प्रतिभागियों को नाश्ते और दोपहर के भोजन के लिए भोजन के पैकेट, टी-शर्ट, हुडी और कैप और गिफ्ट हैम्पर्स वितरित किए जाएंगे। राउंड टेबल इंडिया सीएमआरटी 113 के चेयरमैन वरुण जिंदल एवं कलकत्ता मिडटाउन लेडीज सर्कल 132 की चेयरपर्सन ऋषिका अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 50 मीटर फ्लैट रेस और 100 मीटर फ्लैट रेस आयोजित किए गए। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता के स्क्रेटरी जितेंद्र रामपुरिया, कोषाध्यक्ष देवेंद्र बाजोरिया, पास्ट प्रेसिडेंट सुरेंद्र सांवरिया, बसंत खेतान, बाबू लाल बंका, जितेंद्र लोहिया, राजेश कुमार प्रसाद, विमल कुमार जैन, केदार नाथ गुप्ता, संतोष सराफ, केआर गुप्ता, विजय सरावगी सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित थे। इनके अलावा प्रदीप नायर, लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता 322बी1की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सलोनी साल्वी, सेकेंड एडीजी प्रवीण रुंगटा, सीएस वनिता झुनझुनवाला, सीटी अंकित गुप्ता सहित तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जीएसटी एमनेस्टी स्क्रीम 2024 एंड द अदर इंपोर्टेंट इश्यूज' के बारे में आज एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया

कोलकाता : धर्मवीर कुमार सिंह, व्यवसाईयों को आने वाले समय के लिए तैयार करना और उन्हें जीएसटी से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में अपडेट करना और उनके तमाम मुद्दों को और उनके समस्याओं को हल करना ही मर्चेंट चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का लक्ष्य है।

कोलकाता के मर्चेंट चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में 'जीएसटी एमनेस्टी स्कीम 2024 एंड द अदर इंपोर्टेंट इश्यूज' के बारे में आज एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था जिसमें जीएसटी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुआ ६ इस कार्यक्रम में कई बिजनेसमेन के अलावा जीएसटी के बड़े-बड़े अधिकारी मौजूद थे उन्होंने व्यवसाईयो के विभिन्न मुद्दों पर विशेष चर्चा की और उनके समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना। 'जीएसटी एमनेस्टी स्कीम 2024 ' के तहत व्यवसाईयों को जीएसटी के क्षेत्र में कैसे सहूलियत मिल सकती है इसके बारे में अधिकारियों ने विस्तार से चर्चा किया। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद थे श्री श्रवण कुमार (आईआरएस, चीफ कमिश्नर सीजीएसटी एंड सीएक्स कोलकाता जोन, मिनिस्ट्री ऑफ फाइनेंस, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया)।

के अलावा गेस्ट ऑफ ओनर श्री मनोज कुमार केडिया (प्रिंसिपल कमिश्नर), श्री सत्यजीत सिंह, श्री प्रकाश बोरगोहेन, श्री संजय बांगरताले, श्री संतोष शराफ, श्री श्रवण कुमार, श्री विवेक जलान।

पत्रकार धर्मवीर सिंह से खास बातचीत में में श्री संतोष शराफ (पास्ट प्रेसिडेंट) ने बताया कि हमने जीएसटी से संबंधित कई बड़े-बड़े अधिकारियों को बुलाया है जिसमें बिजनेसमेन को जीएसटी से संबंधित कोई भी समस्या होती है तो अपने मुद्दों को उनके सामने रख सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए बताया कि इस तरीके का यदि कॉन्फ्रेंस होता है तो व्यवसाईयों को विशेष लाभ मिलेगा।

ज़गद्दल थाना में साईबर बंधु परिसेवा की शुरु आत हुआ

कोलकाता (संघमित्रा सक्सेना) : आज के ज्वलंत मुद्दों में से एक साइबर अपराध है। बैरकपुर पुलिस आयुक्तालय इस साइबर अपराध को रोकने के लिए कई जागरूकता शिविर आयोजित कर रहा है। स्थानीय पुलिस स्टेशन नियमित रूप से बैरकपुर साइबर पुलिस स्टेशन की उपस्थिति में इन शिविरो का आयोजन करते हैं। आम जनता द्वारा साइबर अपराध की शिकायतों को स्थानीय पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए कमिश्नरेट के प्रत्येक पुलिस स्टेशन में एक साइबर बडी कियोस्क शुरू किया गया है। ई-प्रोहोरी आज लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय सेवा है। साइबर अपराध से ठगे गए लोगों के साथ खड़े होने वाली सेवाएं प्रदान करने के लिए, माननीय महापौर श्री आलोक राजोरिया, आईपीएस ने आज जगद्दल पुलिस स्टेशन में नवगठित साइबर बंधु कक्ष का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'आज का प्रयास साइबर अपराध के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने और भविष्य में बेहतर सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से है।

सैल्यूट 2 48वीं इंटरनेशनल कोलकाता पुस्तक मेला, की मुख्य आकर्षण

कोलकाता (संघमित्रा सक्सेना) : 48वीं इंटरनेशनल कोलकाता पुस्तक मेला का शुभारंभ हुआ। साल्टलेक स्थित बोईमेला प्रांगण में शुरू हुआ यह मेला 9 फरवरी तक चलेगी। प्रेसिडेंट, पब्लिशर्स तथा बुकसेलर्स त्रिदिव कुमार चटर्जी ने अपनी खुशी को जाहिर करते हुए कहा कि सिर्फ 52 बुक स्टॉल्स के साथ सन 1976 को 5 मार्च कोलकाता पुस्तक मेला अपनी यात्रा शुरु की थी। लोगों की किताबों के प्रति प्रेम और पढ़ने की रुचि इस मेला को नई उंचाई दी। आज की 48वीं कोलकाता इंटरनेशनल बुक फेयर, उन सभी किताब प्रेमियों की रुझान और प्रेम की फसल हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कार्यक्रम की शुभारंभ की। सीएम ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि 48वीं कोलकाता इंटरनेशनल बुक फेयर की परिवार में शामिल होकर खुशी महसूस होती है। हमारे राज्य के लिए ऐसा उद्योग कबीले तारीफ हैं। इस दौरान सीएम ने। सैल्यूट 2, लिपिबद्ध किछु काज, बंगलाय निर्वाचन ओ आमरा। किताबों की विमोचन की। जर्मनी, यू एस ए, यू के, फ्रांस, रसिया, नेपाल, स्पेन, पेरू अर्जेंटीना, ग्वाटेमाला, कोस्टारिका तथा अन्य लैटिन अमेरिकन देशों को लेकर कुल 20 देशों ने कोलकाता इंटरनेशनल बुक फेयर की पार्टिसिपेट कर इस मेला की शोभा में चारचंद लगाएं। ।विशिष्ट लेखक अब्दुल बसर को। ।गिल्ड लाइफटाइम लिटरेरी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 48वीं इंटरनेशनल कोलकाता बुक फेयर की उदघाटन समारोह में। ।ममता बनर्जी (सीएम ऑफ वेस्टबेंगल), डॉक्टर फिलिप एकरमैन (एच ई एम्बेसडर ऑफ जर्मनी इन इंडिया) डॉक्टर मार्ला स्टूकनबर्ग, डायरेक्टर गोथी, विशिष्ट लेखक अब्दुल बसर, फिरहाद हकीम (महानगरिक कोलकाता), सुजीत बोस(एम आई सी फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज ऑफ वेस्टबेंगल), इंद्रनील सेन (मिनिस्टर ऑफ टूरिज्म), शोभन देव चट्टोपाध्याय (मिनिस्टर ऑफ एग्रीकल्चर), त्रिदिब चटर्जी (प्रेसिडेंट, पब्लिशर्स, बुक सेलर्स गिल्ड), मुकेश (आई पी एस सीपी विधाननगर), डोला सेन(एमपी राज्य सभा), कृष्णा चक्रवर्ती (मेयर विधाननगर), माला रॉय (मेंबर ऑफ लोकसभा), विमान बंदोपाध्याय (एमएलए बारू ईपुर), चंद्रिमा भट्टाचार्य (मिनिस्ट्री ऑफ फाइनेंस वेस्टबेंगल)। सहित कई गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।

सेहत के लिए खतरनाक है चाय का अधिक सेवन

हावड़ा : भारत में चाय का सेवन एक आम आदत बन चुका है, खासकर सुबह-सुबह की चाय। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय की अधिकता से शरीर पर बुरा असर पड़ सकता है? भारतीयों के लिए दिन की शुरु आत चाय के बिना अधूरी सी महसूस होती है, लेकिन इसका अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। आइए जानें चाय की ज्यादा मात्रा पीने से होने वाले स्वास्थ्य पर प्रभाव।

आयरन अवशोषण में कमी- खाने के तुरंत बाद चाय पीने से शरीर में आयरन का अवशोषण प्रभावित हो सकता है, जो खासकर एनीमिया के रोगियों के लिए खतरनाक हो सकता है। ऐसे में खाने के बाद चाय पीने से बचें और कम से कम 1-2 घंटे का अंतर रखें।

दिल की समस्याएं और घबराहट- अत्यधिक चाय पीने से कैफीन ओवरलोड हो सकता है, जिससे कुछ लोगों को तेज धड़कन या घबराहट महसूस हो सकती है। यह खासकर उन लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है जो पहले से ही ब्लड प्रेशर या दिल की बीमारियों से पीड़ित हैं। ऐसी स्थिति में चाय की मात्रा पर नियंत्रण रखना जरूरी है।

एसिडिटी और पेट की समस्याएं-

चाय में पाए जाने वाले कैफीन और टैनिन्स पेट में एसिडिटी बढ़ा सकते हैं। खाली पेट चाय पीने से पेट की परत पर असर पड़ सकता है, जिससे गैस, एसिड रिफ लक्स और बदहजमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। एसिडिटी से बचने के लिए अदरक, इलायची या तुलसी वाली चाय का सेवन किया जा सकता है।

नींद में समस्या- चाय में मौजूद कैफीन दिमाग को अलर्ट बनाए रखता है और यदि आप रात में अधिक चाय पीते हैं, तो आपको नींद में दिक्कत हो सकती है। ऐसे में रात को सोने से कम से कम 3-4 घंटे पहले चाय का सेवन बंद कर दें। अगर नींद की समस्या बनी रहे, तो हर्बल चाय का सेवन करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

हड्डियों के लिए खतरनाक- अत्यधिक चाय पीने से कैल्शियम की कमी हो सकती है, जिससे हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। लंबे समय तक चाय का ज्यादा सेवन ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी का कारण बन सकता है। हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम से भरपूर आहार का सेवन करें, जैसे दूध, दही और हरी पत्तेदार सब्जियां। चाय का सेवन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन अगर इसे अत्यधिक मात्रा में लिया जाए, तो यह शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए चाय की मात्रा को नियंत्रित करना और उसे सही समय पर पीना स्वास्थ्य के लिए बेहतर रहेगा।

'अनस्कूलिंग' शिक्षा का नया प्रयोग, क्या है यह और क्यों बढ़ रहा है ट्रेंड?

नई दिल्ली : आजकल शिक्षा के क्षेत्र में एक नया ट्रेंड उभर रहा है, जिसे 'अनस्कूलिंग' कहा जाता है। इसमें बच्चे पारंपरिक स्कूल प्रणाली से हटकर अपनी रुचियों और जिज्ञासा के आधार पर सीखते हैं। यह अवधारणा अमेरिकी शिक्षक जॉन होल्ट द्वारा 1977 में लोकप्रिय की गई थी। आइए जानें कि अनस्कूलिंग क्या है और क्या यह भारत में कानूनी है।

अनस्कूलिंग क्या है? अनस्कूलिंग एक अनौपचारिक शिक्षा पद्धति है, जिसमें बच्चों को पारंपरिक पाठ्यक्रम के बजाय अपनी रुचियों के अनुसार सीखने का अवसर मिलता है। इसमें पाठ्यपुस्तकों, ग्रेडिंग या परीक्षाओं का कोई स्थान नहीं होता। बच्चे अपनी गति से, अपनी पसंद के विषयों में खुद को ढालते हैं। इस पद्धति में माता-पिता का काम एक सहायक के रूप में होता है, जो बच्चों को एक प्रेरक और संसाधनपूर्ण वातावरण प्रदान करते हैं।

अनस्कूलिंग की प्रक्रिया- बच्चे तय करते हैं कि उन्हें क्या और कैसे सीखना है। साथ ही माता-पिता बच्चों को सहायक माहौल देते हैं, ताकि वे स्वाभाविक रूप से सीख सकें। इस पद्धति में पाठ्यपुस्तकों या कार्यपुस्तिकाओं की बजाय किताबें, स्थानिक अनुभव और सामाजिक इंटरएक्शन पर जोर दिया जाता है। परीक्षा या ग्रेडिंग का कोई दबाव नहीं होता, और बच्चे अपनी गति से सीखते हैं।

अनस्कूलिंग के फायदे- स्वतंत्रता और रचनात्मकता- बच्चे अपनी रुचियों और जिज्ञासा के अनुसार सीखते हैं, जिससे उनकी सोचने की क्षमता और रचनात्मकता बढ़ती है।

तनावमुक्त वातावरण- बच्चों को परीक्षा की चिंता से मुक्ति मिलती है, जिससे मानसिक दबाव कम होता है। परिवार के साथ समय- अनस्कूलिंग में परिवार एकजुट रहता है, क्योंकि बच्चे और माता-पिता एक साथ सीखने के अनुभव में शामिल होते हैं। लचीला कार्यक्रम- अनस्कूलिंग के दौरान बच्चों का शेड्यूल परिवार की जीवनशैली के हिसाब से तय किया जाता है, जो लचीलापन प्रदान करता है।

भारत में अनस्कूलिंग और कानूनी स्थिति- भारत में अनस्कूलिंग का मामला थोड़ा जटिल है। यहां, 'होमस्कूलिंग' की अवधारणा का पालन किया जाता है, लेकिन यह पूरी तरह से अनस्कूलिंग से मेल नहीं खाती। भारतीय शिक्षा कानून में होमस्कूलिंग को लेकर स्पष्ट प्रावधान नहीं हैं। हालांकि, 2009 के Right to Education (RTE) अधिनियम के तहत, हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार है, लेकिन इस एक्ट में अनस्कूलिंग का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। भारत में अनस्कूलिंग को लेकर कोई स्पष्ट कानूनी ढांचा नहीं है। हालांकि, गुजरात उच्च न्यायालय ने 2010 में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया था, जिसमें यह माना गया कि माता-पिता अपने बच्चों को घर पर शिक्षा देने का विकल्प चुन सकते हैं, बशर्ते वे बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करें। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत में अनस्कूलिंग पूरी तरह से अवैध नहीं है, लेकिन यह सही तरीके से दस्तावेजीकरण और मानक परीक्षणों के साथ किया जाना चाहिए।

पुष्पा 3 : द रैम्पेज की रिलीज डेट का ऐलान, बढ़ा फैंस का इंतजार

नई दिल्ली : बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 ने दिसंबर में शानदार कमाई के साथ एक नया रिकॉर्ड कायम किया था। अब, इस ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइजी के फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी आई है। पुष्पा 3 - द रैम्पेज की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है, और फैंस के उत्साह का स्तर बढ़ चुका है।

पुष्पा 2 - द रूल ने पिछले साल दिसंबर में दुनिया भर में जबरदस्त सफलता हासिल की थी। इस फिल्म ने लगभग 1,750 करोड़ रुपये की कमाई की और भारत की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई। अब, फिल्म के निर्माता रविशंकर ने बताया है कि पुष्पा 3 2028 में रिलीज होगी। इसका कारण यह है कि अल्लू अर्जुन को पहले निर्देशक एटली के साथ अपनी फिल्म खत्म करनी है,

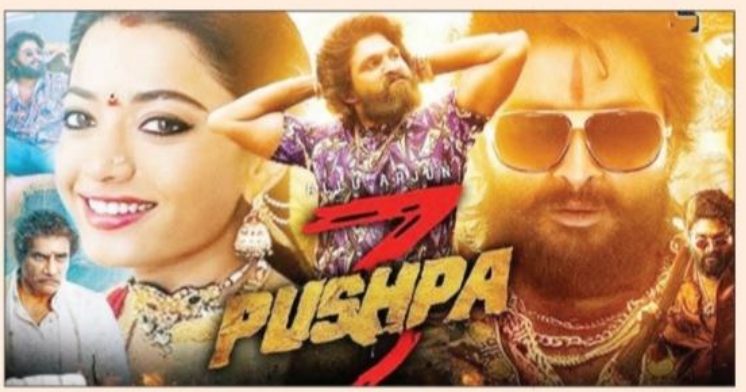

उसके बाद वे त्रिविक्रम के साथ एक फिल्म करेंगे। दोनों प्रोजेक्ट्स अगले दो साल में पूरे हो जाएंगे। इसके अलावा, सुकुमार, जो पुष्पा के निर्देशक हैं, अपने अगले प्रोजेक्ट में सुपरस्टार राम चरण के साथ काम करेंगे, और फिर वे पुष्पा 3 पर फोकस करेंगे। पुष्पा 2 की तुलना में, पुष्पा 3 और भी भव्य और रोमांचक होगी। फिल्म के डायलॉग राइटर श्रीकांत विस्सा ने हाल ही में एक बातचीत में इस बात का खुलासा किया था कि तीसरी फिल्म दर्शकों को पहले से कहीं ज्यादा किरदार और बेहतर अनुभव देने वाली होगी। सूत्रों के अनुसार, निर्माता फिल्म में एक बड़े बॉलीवुड स्टार को विलेन के रूप में लाने का विचार कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पुष्पा फ्रैंचाइजी की शुरु आत 2021 में पुष्पा: द राइज से हुई थी, जिसने दुनियाभर में 350 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। यह फिल्म उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक बनी थी। इसके बाद पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया, रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग हासिल की और अब तक की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इस सफलता ने फिल्म के तीसरे भाग की उम्मीदों को और भी बढ़ा दिया है।

स्वत्वाधिकारी 'बात हिन्दुस्तान की' (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2य तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिबपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-बैद्यनाथ झा, फोन- 9433337094 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com
(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : Baidyanath Jha Mo. 9798848926, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)